आभूषण ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

शंकर कोंदर को संतान प्राप्ति का दिए झांसा, दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। संतान प्राप्ति की पूजा कराने का झांसा देकर सीधे-साधे ग्रामीणों के गहने पार करने वाले दो ठगों को अजयगढ़ थाना पुलिस ने धर दबोचा है। पकड़े गए शातिर आरोपी तंत्र-मंत्र और हाथ की सफाई का खेल दिखाकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, तांत्रिक सामग्री और घटना में प्रयुक्त बाइक सहित कुल 1.30 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। मामला सिमराखुर्द गांव का है, जहां के निवासी शंकर कोंदर (54) के घर में कोई संतान नहीं थी। इसी बात का फायदा उठाते हुए दो अज्ञात ढोंगी उसके पास पहुंचे और दावा किया कि वे विशेष पूजा-अनुष्ठान के जरिए संतान प्राप्ति करा सकते हैं। इसके लिए उन्होंने पीड़ित की पत्नी के आभूषणों की पूजा करने की शर्त रखी। झांसे में आकर पीड़ित ने अपनी पत्नी का सोने का लॉकेट, चांदी की चूड़ियां और पायल (कीमत करीब 50 हजार रुपये) आरोपियों को सौंप दिए। आरोपियों ने घर के पास ही एक गड्ढा खुदवाया और जेवरों को पॉलीथीन में बंद कर गड्ढे में दबवा दिया।

ढोंगियों ने हिदायत दी कि पूरे 35 दिनों तक रोजाना पूजा के बाद ही जेवर बाहर निकाले जाएं, तभी घर में बच्चे की किलकारी गूंजेगी। ठगों के रफूचक्कर होते ही पीड़ित को अनहोनी की आशंका हुई। उसने तुरंत गड्ढा खोदकर देखा तो उसके होश उड़ गए, क्योंकि अंदर रखी पॉलीथीन खाली थी और जेवर गायब थे।

ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने अजयगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया।

जादू व हाथ की सफाई कबूल की

थाना प्रभारी हरि सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम पिष्टा के पास घेराबंदी कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने जादू और हाथ की सफाई से चोरी की बात कबूल कर ली। आरोपियों की पहचान इन्साफअली (38) और इमरित अली (26), निवासी जिला सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने ठगों के पास से चोरी हुआ सोने का लॉकेट, चांदी की चूड़ियां, 10 तोले की पायल, जादू दिखाने में इस्तेमाल होने वाले डमरू, प्लास्टिक का सांप, टेडी बियर, 103 अंगूठियां, बांसुरी और 80 हजार रुपये कीमत की मोटरसाइकिल बरामद की है।

शिक्षा के क्षेत्र में फर्जीवाड़ा रोकेगा अपार आईडी

हर छात्र के लिए डिजिटल पहचान पत्र

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। देश भर में लागू नई शिक्षा नीति 2023 के तहत अपार आईडी सभी बोर्ड द्वारा स्कूलों को बनाए जाने के निर्देश दे दिए गए हैं। इसके बनने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में फर्जी कामों पर काफी हद तक रोक लग जाएगी। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक का रिकार्ड इसके द्वारा आसानी से मिल जाएगा।

हर छात्र के लिए यह डिजीटल पहचान पत्र है, जिसमें डिजी लॉकर में रिपोर्ट कार्ड, अंक पत्र, प्रमाण पत्र और डिग्रियां आदि रखे रहेंगे यानि लिंक रहेंगे और किसी परिस्थिति में उनकी जांच की जा सकेगी। अपार आईडी को बनाने के लिए फर्जी विद्यालय आवश्यक पेन नम्बर न तो जनरेट कर सकेंगे और न ही उसका उपयोग कर पाएंगे। अभी तक आधार कार्ड एक ऐसी आईडी है, जिससे सभी पहचान पत्र, बैंक डिटेल्स, पैन कार्ड आदि सहित तमाम अन्य जानकारियों को लिंक कर दिया गया है। इसके बाद उस व्यक्ति से जुड़ी किसी भी जानकारी को देश भर में कहीं भी एक क्लिक पर पाया जा सकता है। इसी तर्ज पर भारत सरकार की एक राष्ट्र, एक छात्र पहचान पत्र पहल के तहत अपार आईडी बनाने का काम तेजी से चल रहा है। यह सेवा अंग्रेजी माध्यम ही नहीं हिंदी माध्यम के छात्रों और हिंदी भाषी राज्यों के स्कूलों/कॉलेजों के लिए भी पूरी तरह उपलब्ध और लागू है। इस वर्ष 2026-27 के सत्र के लिए स्कूलों में अपार आईडी बनाना प्रारम्भ हो गया है, जिसमें सबसे पहले बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को तरजीह दी जा रही है। उसके बाद अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के बनाए जाएंगे।

अपार आईडी के मुख्य लाभ - स्कूल या कॉलेज बदलने पर बार-बार ट्रांसफर सर्टिफिकेट या पुराने डॉक्यूमेंट्स जमा करने का झंझट खत्म हो जाता है। राज्य व केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति और नए संस्थानों में एडमिशन के समय वेरीफिकेशन तुरंत हो जाता है।

यह है अपार आईडी

यह हर छात्र के लिए एक 12-अंकों का विशिष्ट डिजिटल पहचान पत्र है। यह छात्र के डिजीलॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफक्रेडिट्स से जुड़ा होता है। इसमें नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षा तक के सभी रिपोर्ट कार्ड, अंकपत्र, प्रमाण पत्र और डिग्रियां एक ही स्थान पर डिजिटल रूप से सुरक्षित रहती हैं।

आराम व हराम की कमाई का संगम बन गई अटैचमेंट प्रथा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। राज्य में शासन सत्ता किसी की भी रही हो मगर अटैचमेंट सिस्टम हमेशा आबाद रहा। इस सिस्टम को समाप्त करने के समय समय पर आदेश होते रहे हैं लेकिन उसका पालन रस्म अदायगी तक ही सीमित रहा।

कम से कम पन्ना जिले में तो किसी भी आदेश निर्देश एवं एडवाइजरी का पालन नहीं कभी नहीं होता। इतना ही नहीं शासन को झूठी जानकारी भी भेज दी जाती है। पन्ना जिले के अंदर खासकर जिला मुख्यालय में कलेक्ट्रेट से लेकर शायद ही ऐसा कोई विभागीय दफ्तर होगा जहां अटैचमेंट की बेल आच्छादित न हो। शासन एवं स्थानीय स्तर से अटैचमेंट की परंपरा का निर्वाह होता रहता है। सब सेटिंग की बात है जिसका मामला जम गया वह अपनी मंशानुसार कार्यालय में अपना संलग्नीकरण करा लेता है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग का अटैचमेंट तो कभी समाप्त हआ ही नहीं। उक्त विभाग द्वय के ऐसे तमाम कर्मचारी है जिनकी पूरी नौकरी अटैचमेंट के सहारे पकी जा रही है शिक्षकों से शिक्षकीय कार्य कराये के स्पष्ट शासनादेश हैं किंतु उनका पालन कहीं नहीं होता है। कलेक्टर कार्यालय एवं उसके अधीन निर्वाचन शाखा में सालों से शिक्षक अटैच हैं, संभवतः यह भूल गये होंगे कि उनका मूल विभाग कौन सा है अटैच कर्मचारियों को मूल विभाग की याद केवल वेतन वाले दिन आती है क्योंकि काम वे कहीं करें किंतु वेतन मूल विभाग से ही देय होता है।

तालमेल से पोस्टिंग

अटैचमेंट के पीछे प्रायः मानसिकता आराम अथवा हराम की होती है हराम से आशय हराम की कमाई से है और जो भाग्य के बली है उनको दोनों मिल जाते है तथा वे रोज आराम एवं हराम के संगम में डुबकी लगाते हैं। कई ऑफिसों में ऑफरिकार्ड अटैचमेंट चल रहा है, क्योंकि ऑन रिकार्ड में सवाल जबाव की संभावना अधिक बनी रहेगी। कार्यालय प्रमुख जिस पर मेहरबान होते हैं उस मतहत का अटैचमेंट निर्बाध रूप से चलता रहता है जहां तक शिक्षकों के अटैचमेंट का सवाल हैं तो उनसे शिक्षकीय कार्य तो कराया नहीं जा रहा है, वे बाबूगिरी कर रहे हैं अटैच ही कराना है तो किसी विभाग से लिपिक ही आयात कर लिये जायें। शिक्षकों के अटैचमेंट समाप्ति के लिये शिकायती स्वर भी मुखिरित हो चुके है लेकिन जिला प्रशासन हर बार अटैच शिक्षकों के पक्ष में खड़ा नजर आया है। कोई बात तो जिसके चलते किसी भी कलेक्टर ने संबंधितों की सेवाएं मूल विभाग को लौटाने की चेष्टा नहीं की, यदि प्रयास करते भी हैं तो उल्टे उनका ही मान मर्दन हो जाता है।

विधायक ने किया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम का लोकार्पण

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 30 अगस्त। अजयगढ़ के खिलाड़ियों और नवयुवकों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। क्षेत्रीय विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से अजयगढ़ में नवनिर्मित इंडोर स्टेडियम का निर्माण नगर परिषद अजयगढ़ द्वारा करवाया गया है।

विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर फीता काटकर इसका लोकार्पण किया और इसे खिलाड़ियों को समर्पित कर दिया। अजय पाल स्टेडियम के बाहर उत्तर दिशा में बने इस इंडोर स्टेडियम का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम रखा गया है, जिसकी निर्माण लागत लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सीता गुप्ता, जनप्रतिनिधियों और नगर परिषद कर्मचारियों द्वारा विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह का भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद विधायक ने स्टेडियम का लोकार्पण किया और मंच से ही अपने जन्मदिन का केक भी काटा। नगर परिषद अध्यक्ष सीता गुप्ता ने बताया कि नगर के खिलाड़ियों और नवयुवकों को ध्यान में रखते हुए इस इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसे प्रतिदिन खिलाड़ियों के लिए खोला जाएगा।

शुरुआत में यहाँ बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। आगे खिलाड़ियों और नगरवासियों के रुझान को देखते हुए इसमें खेल सुविधाएं और बढ़ाई जाएंगी। इस अवसर पर संदीप विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम गुप्ता, शीलू श्रीवास्तव और नारायण दास रजक सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

घर का ताला तोड़कर अंदर से दरवाजा किया बंद

थाने में शिकायत देकर पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की

नवभारत न्यूज

पवई 30 अगस्त। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी बुजेश नारायण द्विवेदी ने अपने ही मकान का ताला तोड़कर घर के अंदर से दरवाजा बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए पवई थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दी है। शिकायत में उन्होंने अपने भाइयों पर मकान में जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

शिकायत के अनुसार बुजेश नारायण द्विवेदी ने बताया कि वह 22 अगस्त 2026 को अपने गांव सिंघासर खेती.किसानी के काम से गए थे। 24 अगस्त को करीब दोपहर 1 बजे जब वह वापस पवई स्थित अपने घर पहुंचेए तो उन्होंने देखा कि घर के मुख्य गेट और बैठक का ताला टूटा हुआ था। आरोप है कि जब उन्होंने दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके बड़े भाई बड़ी नारायण द्विवेदी एवं भाई विजय नारायण द्विवेदी द्वारा उनके निवास का ताला तोड़कर अंदर से दरवाजा बंद किया गया है। उन्होंने बताया कि पिता द्वारा किए गए आपसी बंटवारे में दोनों भाइयों को मकान का ऊपरी हिस्सा मिला हैए जबकि उनके घर का सामानए कपड़े और अन्य घरेलू सामग्री अंदर मौजूद है।

बुजेश ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि करीब आठ माह पहले भी उनके भाइयों द्वारा उनके निवास पर ताला लगा दिया गया थाए जिसे पुलिस की मदद से खुलवाया गया था। उनका कहना है कि मामला न्यायालय में भी विचाराधीन हैए इसके बावजूद उनके निवास पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया है।

पीड़ित ने थाना प्रभारी से अपने घर का दरवाजा खुलवाने तथा उसकी अनुपस्थिति में ताला तोड़ने वालों के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

फिलहाल मामला शिकायत के आधार पर है। लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच और दोनों पक्षों का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तीन मौतों व चक्काजाम के बाद जागा प्रशासन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। लगभग एक सप्ताह के अंदर एक ही घर के तीन लोगो की मौतों से क्षेत्र में गमगीन माहौल हो गया है। ग्राम नारायणपुरा में लगभग 10 दिन पूर्व बोरबेल के चैम्बर में पिता पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई थी.

चूंकि यह घटना एक साधारण परिवार से जुड़ी होने के कारण स्थानीय तहसील प्रशासन एवं जिला प्रशासन ने इस पर कोई संज्ञान नही लिया जिसका परिणाम यह हुआ कि उसी बोरबेल को देखने हेतु ठीक रक्षाबंधन के दिन दूसरे जवान पुत्र की भी मौत हो गई, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषी एवं लापरवाह प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्यवाही को लेकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के बाद कुंभकरणीय नींद में सोया प्रशासन जागा और जहरीली गैस की आशंका के चलते ओएनजीसी की देहरादून की टीम को कॉल कर जांच के लिए बुलाया गया है। उधर पिता-पुत्र की मौत के बाद एक और बेटे की मौत से नाराज ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार रोककर पन्ना के सलेहा तिराहा पर जाम लगा दिया।

लगभग एक घंटे तक रास्ता अवरुद्ध रहा, दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे, ग्रामीणों को जांच और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। तब ग्रामीण माने और यातायात सुगम हुआ। जनपद कार्यालय के पास शव विच्छेदन गृह में मृतक सगेता का पोस्टमार्टम चल रहा था।

इसी बीच ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार नामदेव के नेतृत्व में लोगों ने दोपहर करीब 12 बजे सलेहा तिराहा पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बोरवेल हादसे की जांच कराने, जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने और मृतक परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मृतक परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शासन से उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम समाप्त कराया गया। लोगों ने प्रशासन से नारायणपुरा सहित आसपास के बोरवेलों की भी जांच कराने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पत्थरों से ढकवाया चेंबर, फेंसिंग तक नहीं

जिस बोरवेल के चेंबर में उतरने से तीन लोगों की मौत हो गई उसके आसपास फेंसिंग तक नहीं कराई गई है। महज खानापूर्ति करते हुए बोरवेल को पत्थरों से ढकवाया गया है। इसके आसपास फेंसिंग तक नहीं की गई है।

जिले में पुलिस का रात्रि कॉम्बिंग ऑपरेशन

पन्ना, 30 अगस्त। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए पन्ना पुलिस ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक विशेष नाईट कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के कड़े निर्देशों पर चलाए गए इस अभियान के तहत जिले भर के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने एक साथ दबिश देकर कुल 71 वारंटों की तामीली कराई। इस अभियान में 15 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके साथ ही 06 गिरफ्तारी वारंट और 50 जमानती वारंट भी तामील कराए गए। स्थायी वारंटियों की धरपकड़ में कोतवाली थाना पुलिस सबसे आगे रही, जहां सर्वाधिक 06 स्थायी वारंट तामील किए गए। इसके अलावा अमानगंज थाने में 03, अजयगढ़ और सिमरिया थाने में 02-02, जबकि धरमपुर और सलेहा थाना पुलिस ने 01-01 स्थायी वारंटी को दबोचकर अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पूरी की।

गंज से चौमुखनाथ सड़क मार्ग हुआ क्षतिग्रस्त

नवभारत न्यूज

सलेहा, 30 अगस्त। सलेहा समीपस्थ ग्राम पंचायत नचने में स्थित प्रसिद्ध चौमुखनाथ तीर्थ क्षेत्र एवं श्रेयांस गिरी तीर्थ क्षेत्र जाने वाले सड़क मार्ग की स्थिति इन दिनों बेहद दयनीय बनी हुई है।

मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सलेहा-नागौद मुख्य सड़क मार्ग से ग्राम गंज होते हुए नचने जाने वाले मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आवागमन करते हैं। नचने में प्राचीन शिव मंदिर स्थित होने के कारण आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से भी धर्मप्रेमी भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति के कारण श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार मुख्य सड़क मार्ग से गंज तक पूर्व में बनाई गई सीसी सड़क को नल विभाग द्वारा बीच से खोद दिया गया है, लेकिन खोदी गई सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। इसके चलते सड़क पर मिट्टी फैल गई है, जिससे बारिश के दौरान मार्ग और अधिक फिसलन भरा हो गया है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं। वहीं चारपहिया वाहनों के आवागमन में भी काफी दिक्कत हो रही है। स्थानीय ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों ने सड़क की समस्या को लेकर गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा से सड़क मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। विधायक द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क की स्थिति का संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द मार्ग को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षाबंधन कार्यक्रम में बहनों ने विधायक को बांधी राखी

नवभारत न्यूज

सलेहा, 30 अगस्त। गुनौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सलेहा के समीपस्थ ग्राम कटरा स्थित प्रेम बंधन पैलेस में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सलेहा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में बहनें शामिल हुईं।

इस दौरान बहनों ने विधायक डॉ. राजेश वर्मा का तिलक कर उनकी कलाई पर राखी बांधी। विधायक ने सभी बहनों को उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने कहा कि यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें बहनों के बीच आकर रक्षाबंधन मनाने और राखी बंधवाने का अवसर मिला।

बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और पिछड़ेपन का लोकतांत्रिक श्राप झेल रहा है जिला

विकास पुरूषों का विकास सिर्फ विज्ञप्तियों एवं फोटो सेशन तक सिमटा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। प्रदेश के सबसे पिछड़े और उपेक्षित जिलों में शुमार हो चुके पन्ना जिले में विकास की विपुल संभावनाएं मौजूद है, लेकिन सक्षम नेतृत्व के अभाव व इच्छा शक्ति की कमी के चलते बीते पांच दशकों में बुंदेलखण्ड क्षेत्र के इस जिले का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। आजकल जनप्रतिनिधियों ने एक नया पैंतरा अपना लिया है कि अपने चहेतों एवं चमचों के द्वारा फर्जी विकास की विज्ञप्तियां एवं राष्ट्रीय स्तर के नेताओं एवं केन्द्रीय मंत्रियों के साथ फोटो खिचांकर यह प्रचारित करने का प्रयास करते है कि वे विकास के मुद्दे पर चर्चा कर पत्र सौंपा है।

जबकि वास्तविकता यह है कि ये नेता एवं जनप्रतिनिधि सिर्फअपने निजी कार्यो के लिये जाते है यही कारण है कि विकास जिले का अवरूद्ध है और जनप्रतिनिधियों का विकास सैकड़ो गुना बढ़ गया है। ललितपुर सिंगरौली रेल लाइन के पन्ना से लेकर निकलने की संभावना को देखते हुये विकास की उम्मीद जागी थी, लेकिन बीते दस सालों में इस दिशा में अभी भी कोई ठोस पहल व प्रयास नहीं हुये फलस्वरूप पन्ना जिले की स्थिति जस की तस बनी हुयी है। इस क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों का रवैया भी अत्यधिक ढुलमुल व निराशाजनक रहा। हालांकि पन्ना सतना रेलवे लाईन का कार्य प्रगति पर है और ऐसी संभावनाएं है कि एक साल बाद पन्ना वासियों को रेल सेवा उपलब्ध हो सकती है।

वहीं ललितपुर सिंगरौली वाया खजुराहो लाईन के लिये अभी वर्षो इंतजार करना पडेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पन्ना जिले के विकास से जुड़े अहम मुद्दे के प्रति जो भी राजनैतिक दल अरूचि दिखायें, क्षेत्र की जनता उस दल को सबक सिखाने के लिए कटिबद्ध रहे, क्योंकि सब तक क्षेत्र की जनता आक्रामक नहीं होगी तब तक इस जिले की इसीतरह से उपेक्षा होती रहेगी। विपुल संभावनाओं के बावजूद अभी तक यहां अपेक्षित विकास नहीं हो सका। जबकि पन्ना में खूबसूरत और भव्य मंदिरों की पूरी श्रंखला है. जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन सकते है, लेकिन आवागमन की सुविधा की कमी व अन्य सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण पर्यटक चाहकर भी पन्ना नहीं आते।

सेवा लेने की बांटी जा रही मुफ्त सलाह

आज भी अधिकतर स्वास्थ्य केन्द्रों में निजी चिकित्सकों की सेवा लेने की मुफ्त सलाह बांटी जा रही है। यह भी जगजाहिर है कि सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों का लाभ कैसे लोग लेते है, जिन्हें भूख बेरोजगारी अशिक्षा और पिछड़ापन का लोकतांत्रिक श्राप झेलना पड़ रहा है। न कि वो जो कि न सलाह की आवश्यकता समझते है न ही इस ड्योढ़ी पर जाते है। आज भले ही शासन के कार्योलयों में वाहनों की कतारें लगी रहती है। मगर ग्रामीण स्तर पर स्थित स्वास्थ्य कार्यालयों में वाहनों के नाम पर रिक्त ही देखने मिली है। अपवाद स्वरूप कुछ एक केन्द्रों को छोड़ देवे तो भी उनके साथ रोचक कहानियां जुड़ी हुई है। ग्रामीण स्तर पर स्थित चिकित्सा केन्द्रों में पर्याप्त जांच के साधनों व योग्य चिकित्सकों की कमी का ही नतीजा है कि आज निर्धन तबके के लोगों का विश्वास भी इस व्यवस्था केन्द्र से उठता जा रहा है।

स्कूली शिक्षा की व्यवस्था बेपटरी

आज निजी शालाओं की व्यवस्थाओं को देखा जाये तो हमें वह सब देखने सुनने मिल जायेगा जो कि नौनिहाल आंखे सहज प्रयास में देखने की आदी होती है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शालाओं में हमेशा आवश्यक सुविधाओं का ही अभाव रहता है फिर अन्य सुविधाओं को मिल पाने की बात करना तो निरर्थक है। सुविधाओं के नाम पर शुल्क वसूलती शालाओं को कब ध्यान आये और इन व्यवस्थाओं को कब पात्रों के नाम करेगी या सुविधा मुहैया करायेगी कुछ कहा नहीं जा सकता। ग्रामीण स्तर पर शैक्षणिक सुविधा का अभाव ही है कि आज ग्रामीण स्तर पर उभरने वाली खेल प्रतिभाओं की कमी आ गयी है जिसे तलाशने हमें आंदोलन की शक्ल में अभियान चलाने पड़ रहे है।

पन्ना से गुनौर जा रही यात्री बस पलटी

एक दर्जन घायल, 6 गंभीर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 अगस्त। शनिवार शाम पन्ना से गुनौर आ रही पांडेय बस सर्विस की बस क्रमांक एमपी 35 पी 0216 अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। हादसा पड़ेरी और ककरहटा के बीच हुआ।

दुर्घटना के समय बस में बच्चों और महिलाओं समेत करीब 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। बस खेत में जाकर पलटी। हादसे में दर्जन से ज्यादा यात्रियों को चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पड़ेरी-ककरहटा के बीच पहुंचते ही बस की क्लीनर साइड से अचानक नियंत्रण बिगड़ गया। इससे बस सड़क से नीचे उतरकर खेत में पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में मीरा पति सियाराम बर्मन (36), स्नेहा पिता सियाराम बर्मन (11), ध्रुव पिता सियाराम बर्मन (17), शिवा पिता सियाराम बर्मन (15), भूरी बाई पति जीवन लाल वर्मा (55) और अनीता वर्मा (29) घायल हुईं। मीरा, स्नेहा, ध्रुव और शिवा गुनौर निवासी हैं, जबकि भूरी बाई पन्ना और अनीता वर्मा पड़ेरी निवासी हैं। सभी घायलों को डायल 112 की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुनौर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। हादसे की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।